

सीर-भृत् पुं. (तत्.) 1. किसान, हल चलाने वाला, हलवाहा 2. बलराम।

सीरम पुं. (अं.) कुछ प्राणियों और मनुष्यों के रक्त में से निकला एक तरल पदार्थ जिसमें रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है, इसे टीके के रूप में दूसरे प्राणियों या व्यक्तियों के शरीर में रोग-रक्षण के लिए इंजेक्शन के द्वारा प्रविष्ट कराया जाता है।

सीरम विज्ञान पुं. (अं.+तत्.) सीरम के अध्ययन, प्रयोग, संरचना आदि अध्ययन से संबंधित विज्ञान।

सीरवाह पुं. (तत्.) 1. हलधर, हल चलाने का जोतने वाला, हलवाहा 2. जमींदार की ओर से उसकी खेती का प्रबंध करने वाला कर्मचारी।

सीरष पुं. (तद्.) शीर्ष, शीर्षक।

सीरा स्त्री. (तत्.) एक प्राचीन नदी **वि.** 1. ठंडा, शीतल 2. धीर और शांत प्रकृति वाला पुं. 1. चीनी आदि का पकाया हुआ शीरा 2. मोहन भोग, हलुआ 3. सिरा 4. सिरहाना।

सीरायु पुं. (तत्.) जिसका हथियार हल हो अर्थात् बलराम।

सीरिज स्त्री. (अं.) 1. पूर्वाधार घटित होने वाली घटनाओं का समाहार या समूह 2. पुस्तक प्रकाशन के क्षेत्र में किसी एक प्रकाशन संस्था द्वारा प्रकाशित पुस्तक-शृंखला जिसका विषय, मूल्य और जिल्द समान हो।

सीरियल पुं. (अं.) वह लंबी कहानी या लेख जिसे अनेक बार कई हिस्सों में प्रकाशित या दूर दर्शन आदि में प्रसारित किया जाए।

सीरी पुं. (तत्.) 1. हलधारी बलराम 2. सीर का स्त्री।

सीलंघ स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की मछली।

सील स्त्री. (तद्.) 1. शलाका लकड़ी का हाथ भर लंबा औजार जिसपर चूड़ियों को गोल और सुडौल किया जाता है 2. (अं.) पत्रों आदि पर लगाई जाने वाली मोहर, छाप, मुद्रा 3. ठंडे देशों

के समुद्रों में रहने वाला एक प्रकार का बड़ा स्तनपायी चौपाया जो मछलियाँ खाता है।

सीलना अ.क्रि. (देश.) 1. सील से युक्त या प्रभावित, सील करना, बन्द करना जैसे- दीवार सील करना 2. सीलन आना, नमी से प्रभावित होना और विकृत हो जाना।

सीला पुं. (देश.) दे. सिला हुआ।

सीव स्त्री. (तद्.) दे. सीमा, हदबंदी।

सीवक वि. (तत्.) सीने वाला, दर्जी, सिलाई करने वाला।

सीवड़ा पुं. (तद्.) ग्राम का, सीमांत, सिवाना।

सीवन पुं. (तत्.) सोने का काम, सिलाई।

सीवनी स्त्री. (तद्.) लिंग के नीचे से गुदा तक जाने वाली रेखा, सीवन।

सीवा पुं. (तद्.) ऊनी कपड़ों को काटने वाला एक कीड़ा, लार्वा।

सीवी स्त्री. (तत्.) दे. सी-सी, सीत्कार।

सीस पुं. (तद्.) 1. सिर, शीशा, शीर्ष प्रयो. सीस नवाना 2. माथा, मस्तक।

सीसक पुं. (तत्.) सीसा नामक धातु।

सीसज पुं. (तत्.) 1. सिंदूर 2. सीसे से बना हुआ।

सीसताज पुं. (तद्.+फा.) 1. शिकार करने के लिए पाले कुए शिकारी पशुओं के सिर पर चढ़ाने का आवरण जिसे शिकार के समय उतार दिया जाता है 2. टोपी, कुलहा।

सीसत्रान पुं. (तद्.) शीशत्राण, सिर का कवच, शिरस्त्राण।

सीसपत्र पुं. (तद्.+तत्.) सीसा नामक धातु।

सीसफूल पुं. (तद्.) स्त्रियों द्वारा सिर पर पहनने का आभूषण जो फूल के आकार का होता है।

सीसम पुं. (देश.) शीशम का वृक्ष।

सीसमहल पुं. (अर.+फा.) 1. शीश महल, शीशे या काँच का बना पारदर्शी भवन 2. वह कक्ष जिसकी सभी दीवारों में दर्पण जड़े हों।